हिंदी पखवाड़ा,2021 हेतु हिंदी भाषा से संबंधित सूक्तियाँ

1. राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।

-महात्मा गांधी

2. भाषा की सरलता, सहजता और शालीनता अभिव्यक्ति को सार्थकता प्रदान करती है। हिंदी ने इन पहलुओं को खूबसूरती से समाहित किया है।

-नरेंद्र मोदी(प्रधान मंत्री)

3. भारतीय सभ्यता की अविरल धारा प्रमुख रूप से हिंदी भाषा से ही जीवंत तथा सुरक्षित रह पाई है।

-अमित शाह(गृह मंत्री)

4. हिंदी भाषा एक ऐसी सार्वजनिक भाषा है, जिसे बिना भेद-भाव प्रत्येक भारतीय ग्रहण का सकता है।

-मदन मोहन मालवीय

5. हिंदी राष्ट्रीयता के मूल को सींचती है और उसे दृढ़ करती है।

- पुरुषोत्तम दस टंडन

6. हिंदी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्रोत है।

-सुमित्रानंदन पंत

7. हिंदी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है।

- डॉ. सम्पूर्णानंद

8. भारतीय भाषाएँ नदियां हैं और हिंदी महानदी।

-रवीन्द्रनाथ टैगोर

9. हिंदी जैसी सरल भाषा दूसरी नहीं है।

-मौलाना हसरत मोहानी

10. हिंदी द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।

-स्वामी दयानंद

11. समस्त भारतीय भाषाओं के लिए यदि कोई एक लिपि आवश्यक हो तो वह देवनागरी हो सकती है।

-जस्टिस कृष्णास्वामी अय्यर

12. वही भाषा जीवित और जागृत रह सकती है जो जनता का ठीक-ठाक प्रतिनिधित्व कर सके और हिंदी इसमें समर्थ है।

-पीर मुहम्मद मूनिस

13. देवनागरी ध्वनिशास्त्र की दृष्टि से अत्यंत वैज्ञानिक लिपि है।

-रविशंकर शुक्ल

14. हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया।

-डॉ. राजेंद्र प्रसाद

15. आप जिस तरह बोलते हैं, बातचीत करते हैं, उसी तरह लिखा भी कीजिये। भाषा बनावटी नहीं होनी चाहिए।

-महावीर प्रसाद द्विवेदी